जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 24 दिसंबर 2019

जामिया की ओर से 'नॉर्थईस्ट इंडिया एंड इंडियाज़ एक्ट ईस्ट पॉलिसीः आइडेंटिफाई द प्रायरिटीज़ ' नामक महत्वपूर्ण पुस्तक

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सेंटर फॉर नॉर्थ ईस्ट स्टडीज एंड पॉलिसी रिसर्च ने ''नॉर्थईस्ट इंडिया एंड इंडियाज़ एक्ट ईस्ट पॉलिसीः आइडेंटिफाई द प्रायरिटीज़'' पर एक महत्वपूर्ण किताब पेश की है। यह किताब पूर्वोत्तर भारत और उसके संदर्भ में एक्ट ईस्ट पॉलिसी की हमारी समझ को बढ़ाने की कोशिश है। इस नीति के बारे में काफी चर्चा हुई हुई हैं, लेकिन इस पर अब तक के मौजूद लेखों में इस क्षेत्र के विभिन्न राज्यों की प्राथमिकताओं और देश की वर्तमान सरकार द्वारा इस नीति का अनुसरण कैसे किया जा रहा है, इस बारे में ज़्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। इस पुस्तक के ज़रिए, एक्ट ईस्ट पॉलिसी पर कई वाजिब सवालों के जवाब देने की कोशिश की गई है।

लुक ईस्ट पाॅलिसी और अब एक्ट ईस्ट पाॅलिसी बनाने तक यह विभिन्न सरकारों के तहत कई चरणों से गुजरी है। इसलिए यह जानना ज़रूरी है कि वर्तमान सरकार द्वारा नीति का पालन कैसे किया जा रहा है। इसके अलावा, स्थानीय नज़रिए से इस नीति की प्रासंगिकता की जांच करना भी महत्वपूर्ण है।

इस पुस्तक ने सटीक और विश्वसनीय हक़ीक़त बताने और नीति-निर्माताओं को ऐसी जानकारी देने में मदद की है जो ज़मीनी स्तर पर अधिक प्रभावी कार्यक्रमों को लागू करने में मददगार होगी। यह पुस्तक नीति नियोजकों और विकास, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा पूर्वोत्तर भारत के विषय में रुचि रखने वाले शोधकार्ताओं के लिए सहायक साबित होगी।

यह पुस्तक, 'इंडियाज़ ईस्ट एक्ट पॉलिसीः नीड्स एंड प्रायरिटीज ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया एंड म्यांमार ' पर दो दिवसीय सम्मेलन में हुई गंभीर चर्चा का सार है। इसे नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी, नई दिल्ली के सहयोग से जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सेंटर फॉर नॉर्थ ईस्ट स्टडीज एंड पॉलिसी रिसर्च में आयोजित किया गया था। सम्मेलन में भारत और विदेशों के विद्वानों और छात्रों ने हिस्सा लिया था।

इस सम्मेलन के लिए धनराशि भारत सरकार की पूर्वोत्तर काउंसिल द्वारा उपल्बध कराई गई थी जिसका मकसद, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सेंटर फॉर नॉर्थ ईस्ट स्टडीज एंड पॉलिसी रिसर्च के उन्नयन के लिए उदार अनुदान मुहैया कराना था।

सम्मेलन के दौरान हुए प्रस्तुतीकरणों के व्यापक प्रसार के लिए, उन्हें एक संपादित पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने का फैसला किया गया। इसके लिए एक लंबी आंतरिक समीक्षा और बाहरी रेफरीइंग के बाद 12 अध्यायों (परिचयात्मक अध्याय को छोड़कर) का चयन किया गया। इस किताब को 'नॉर्थईस्ट इंडिया एंड इंडियाज़ एक्ट ईस्ट पॉलिसीः आइडेंटिफाई द प्रायरिटीज ' नाम दिया गया। इसे प्रो एम अमरजीत सिंह ने संपादित किया। इसे रूटलेज स्टडीज़ ऑन थिंक एशिया श्रृंखला के तहत रूटलेज, ऑक्सन एंड न्यूयॉर्क (आईएसबीएन 978-0-367-25060-7 (एचबीके) / 978-0-429-28579-0 (ईबीके) ने प्रकाशित किया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक